कम अवधि में अच्छे मुनाफे के लिए टायर कंपनियों में करें निवेश

एलेक्स मैथ्यूज

इंफोसिस द्वारा रेवेन्यू गाइडेंस घटाए जाने से लार्ज कैप आईटी शेयरों पर दबाव रह सकता है।

मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर एक बार फिर से निवेशकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

सप्ताह की शुरुआत में आंध्रा पेपर, जेके टायर, इंड स्विफ्ट और रैलिस इंडिया के शेयरों में जोरदार तेजी आ सकती है।

गेल, इंद्रप्रस्थ गैस और पेट्रोनेट एलएनजी में आगे भी गिरावट जारी रहेगी।

जेके टायर, अपोलो टायर और सीएट अल्पावधि में 5-10 प्रतिशत तक का रिटर्न दे सकते हैं।

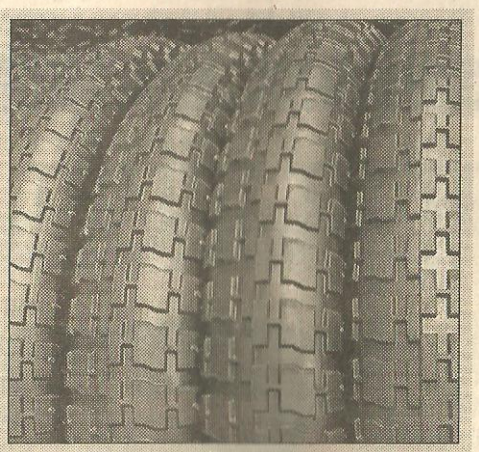

कुल मिला कर पिछला हफ्ता खरीदारों का सप्ताह रहा। मिड कैप और स्मॉल कैप की श्रेणी में खरीदारी देखी गई। डॉलर के मुकाबले रुपये में आई मजबूती गौर करने वाली घटना रही। पिछले महीने रुपये में डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई थी लेकिन पिछले हफ्ते इसमें मजबूती देखी गई और यह 51.50-52.00 के दायरे में रहा। इस कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने लाभ उठाने के लिए कैश सेगमेंट में अच्छा निवेश किया।

आईआईपी के बेहतर आंकड़े, महंगाई में नरमी, एफआईआई के निवेश, रुपये में मजबूती, क्रूड ऑयल की कीमतों में स्थिरता आदि से बाजार में बढ़त बरकरार रही। सप्ताह के शुरुआती दिनों में हमने देखा कि मूडीज ने भारत की शॉर्ट टर्म करेंसी रेटिंग स्पेक्यूलेटिव से इंवेस्टमेंट ग्रेड का कर दिया। इससे घरेलू कंपनियों को विदेशी बाजारों से फंड जुटाने में सहूलियत होगी।

बाजार को सबसे अधिक इंतजार इंफोसिस के आंकड़ों का था। लाभ अनुमान से कहीं बेहतर रहे और रुपये में आई कमजोरी से इसमें 33 प्रतिशत का इजाफा देखा गया। लेकिन कंपनी ने वित्त वर्ष 2012 का रेवेन्यू गाइडेंस 17.1 प्रतिशत से घटा कर 16.4 प्रतिशत कर दिया। इंफोसिस ने कहा भी कि यूरोपीय संकट के कारण आउटसोर्सिंग कॉन्ट्रैक्ट की गति नवंबर महीने से धीमी हुई है। आईटी क्षेत्र के शेयर खास तौर से लार्ज कैप शेयर जैसे इंफोसिस और टीसीएस में बिकवाली का कुछ दबाव देखा जा सकता है।

घरेलू स्तर पर आईआईपी के आंकड़े नवंबर में 5.9 प्रतिशत रहे जो इससे पिछले महीने -5.1 प्रतिशत के स्तर पर थे। मैन्यूफैक्चरिंग का आंकड़ा भी 6.6 प्रतिशत रहा जो अक्टूबर में -6 प्रतिशत था। हाल ही में आए एचएसबीसी इंडिया मैन्यूफैक्चरिंग पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स नवंबर में बढ़ कर 54.2 फीसदी रहा जो इससे पहले 21 प्रतिशत था। यह मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में हुए ग्रोथ को साफ प्रदर्शित करता है।

31 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह में भारत की खाद्य महंगाई दर -2.9 प्रतिशत रही जो इसके पिछले हफ्ते -3.36 फीसदी थी। सब्जियों, आलू, प्याज और गेहूं की कीमतों में आई कमी से खाद्य महंगाई दर में कमी दर्ज की गई है। हालांकि ईंधन और पावर वाली महंगाई दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई और यह 14.45 प्रतिशत के स्तर पर रहा जो इसके पिछले हफ्ते 14.60 फीसदी के स्तर पर था।

स्पेन और इटली द्वारा 17 अरब डॉलर की बांड बिक्री के बाद यूरोपीय बाजार को थोड़ी राहत मिली है। यह दोनों देश यूरो जाने के आर्थिक रूप से दो कमजोर देशों में से हैं। यूरो जोन अभी आर्थिक संकट से निकलने की पुरजोर कोशिश में लगा हुआ है। घरेलू मैक्रो इकॉनोमिक कारकों में सुधार देखा जा रहा है और निफ्टी 4,938 के स्तर को आजमा सकता है। मिड कैप और स्मॉल कैप शेयर एक बार फिर से निवेशकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। सप्ताह की शुरुआत में आंध्रा पेपर, जेके टायर, इंड स्विफ्ट और रैलिस इंडिया में जोरदार तेजी आ सकती है। निफ्टी को 4800 और 4752 पर महत्वपूर्ण समर्थन है।

पेट्रोलियम नियामक को सरकार द्वारा औपचारिक तौर पर लागत के आधार पर मार्केटिंग मार्जिन तय करने के निर्देश के बाद गैस वितरण से जुड़ी कंपनियां जैसे गेल, इंद्रप्रस्थ गैस और पेट्रोनेट एलएनजी में आगे भी गिरावट जारी रहेगी।

सेक्टर की बात करें तो प्राकृतिक रबर की कीमतें घटने से टायर मैन्यूफैक्चरिंग कंपनियों को लाभ होने की पूरी उम्मीद है। इनमें जेके टायर, अपोलो टायर और सीएट अल्पावधि में 5-10 प्रतिशत तक का रिटर्न दे सकते हैं।

एफआईआई के प्रवाह को देखते हुए बैंक और एक्सपोर्टर्स द्वारा डॉलर बेचे जाने से पिछले हफ्ते रुपये में अच्छी मजबूती दिखी है। मजबूत रुपया शेयर बाजार को एक नई दिशा दे सकता है। अधिक जोखिम उठाने वाले निवेशक निफ्टी 4900 पुट ऑप्शन सात दिनों के लिए खरीद सकते हैं। अगर होल्डिंग पीरियड के दौरान यह पोजीशन लाभ नहीं देता है तो इससे निकल लेना चाहिए।

लेखक जियोजित बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल्स लिमिटेड के रिसर्च हेड हैं। प्रकाशित विचार उनके निजी हैं।